BCC-6

Gender School & Society

Unit → 1

* पाठ्यक्रम का अर्थ एवं परिभाषा (Meaning & Definition of Curriculum) :-

पाठ्यचर्या के लिए अंग्रेजी में करीकुलम (Curriculum) शब्द का प्रयोग किया जाता है जो लैटिन के (Currer) क्यूरर से बना है, जिसका अर्थ होता है दौड़ का मैदान। शाब्दिक अर्थ के आधार पर पाठ्यचर्या से तात्पर्य वह दौड़ का मैदान है जिसमें विद्यार्थी को विभिन्न अवस्थाओं को पार करते हुए किसी लक्ष्य को प्राप्त करना होता है।

* मुनरो के अनुसार "पाठ्यक्रम में वे समस्त अनुभव निहित हैं जिनको विद्यालय के द्वारा शिक्षा के उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए उपयोग में लाया जाता है।"

कनिंघम के अनुसार "पाठ्यक्रम शिक्षक के हाथ में एक साधन है जिससे वह विद्यालय में, अपने उद्देश्य के अनुसार अपने छात्र को कोई भी रूप दे सकता है।"

फ्रोबेल के अनुसार "पाठ्यक्रम में वे समस्त अनुभव निहित हैं, जिनको विद्यालय द्वारा शिक्षा के उद्देश्य की प्राप्ति के लिए उपयोग में लाया जाता है।"

Scanned with CamScanner

ब्रूबेकर के अनुसार "पाठ्यक्रम एक ऐसा क्रम है जो किसी व्यक्ति को गन्तव्य स्थान पर पहुँचाने के लिए तय करना पड़ता है।"

एडयार्ड और हेनरी के शब्दों में "विस्तृत अर्थ में पाठ्यक्रम के अन्तर्गत समस्त विद्यालय का वातावरण आता है जिसमें विद्यालय में प्राप्त सभी प्रकार के सम्पर्क, पठन क्रियायें एवं विषय सम्मिलित हैं।"

जॉन डीवी के शब्दानुसार - "पाठ्यक्रम केवल अध्ययन की योजना या विषय वस्तु ही नहीं, बल्कि कार्य और अनुभव की सम्पूर्ण शृंखला है। पाठ्यक्रम समाज में कलात्मक ढंग से परस्पर रखने के लिए बच्चों के प्रशिक्षण का शिक्षकों के पास एक साधन है।"

शिक्षा आयोग के अनुसार "विद्यालय पाठ्यक्रम अधिगम अनुभव की वह समग्रता है जो विद्यालयों द्वारा छात्रों को विद्यालय में या उसके बाहर की बहुमुखी क्रियाओं द्वारा प्रदान नहीं की जाती है ये समस्त क्रियायें विद्यालय के परिनिरीक्षण में संचालित की जाती है।"

पाठ्यक्रम की वर्तमान अवधारणा अत्यधिक व्यापक है। इसके अन्तर्गत कक्षाकक्ष तथा बाहर की गतिविधियों को सम्मिलित किया जाने लगा है। पाठ्यक्रम को क्रिया के रूप में समझना चाहिए न कि अर्जित ज्ञान

Scanned with CamScanner

या संग्रहित तथ्यों के रूप में। व्यापक अर्थ में पाठ्यक्रम के अन्तर्गत विद्यालय में संचालित समस्त सभी गतिविधियाँ आ जाती हैं।

* पाठ्यक्रम के उद्देश्य :-
  * छात्रों की व्यक्तिगत विभिन्नता, शारीरिक क्षमता, मानसिक क्षमता के अधिकतम विकास का उद्देश्य
  * व्यक्तिगत आकांक्षाओं के साथ-साथ सामाजिक आकांक्षाओं की पूर्ति का उद्देश्य।
  * जीवन की विविध क्रियाओं और विद्यालयी विषयों के मध्य भेदभाव की समाप्ति का उद्देश्य
  * अच्छे नागरिक का निर्माण कर, लोकतंत्र की सफलता का उद्देश्य।
  * ऐसे व्यक्ति का निर्माण जिससे ज्ञान तथा ज्ञान की सीमाओं का विस्तार हो सके।
  * सामाजिक विज्ञानों, प्राकृतिक विज्ञानों, मानवशास्त्र तथा धर्म के साथ धनिष्ट मान्यताओं का निर्माण करने योग्य बनाने का उद्देश्य।
  * ऐसे वातावरण के निर्माण का उद्देश्य जिससे बालक विचार करना सीख सके और अपने विचार, तर्क और निरीक्षण की शक्तियों का विकास कर सके।

Scanned with CamScanner